

SHRI CHANDRAKANT PITHAWA

Shri Chandrakant Pithawa is a Distinguished Scientist and former Director, Electronics & Instrumentation Group and Director, Manufacturing & Automation Group at Bhabha Atomic Research Centre, Trombay, Mumbai. An electronics engineer of exceptional ability, he retired in August 2015 after 41 years of service in BARC. At present, he is a Raja Ramanna Fellow of Department of Atomic Energy at Electronics Corporation of India Limited, Hyderabad.

2. Born on August 17, 1951, Shri Pithawa received his Bachelor of Electrical Engineering degree from Awadhesh Pratap Singh University, Rewa, M.P. in 1973 with first rank and M.E. degree in Automation from Indian Institute of Science, Bangalore in 1981. He received M.S. degree in Electronics from University of Southampton in 1986 with first rank. Shri Pithawa after completing one year BARC training school programme in nuclear science and engineering, joined Reactor Control Division of BARC in 1974.

3. Shri Pithawa made significant contributions to the computer based control systems of Pressurized Heavy Water Reactors, Compact Light Water Reactor, Prototype Fast Breeder Reactor and Particle Accelerators. He developed many important safety related computer based systems for regulating primary and secondary processes for 220 MW and 540 MW nuclear power plants. He led the team in development of indigenous high temperature neutron detectors for 500 MW Prototype Fast Breeder Reactor, which was a challenging task. He also led the team in development of camera electronics for Major Atmospheric Cerenkov Experiment telescope and control system for Low Energy High Intensity Proton Accelerator. He has contributed to international projects including Large Hadron Collider, CERN, Geneva by developing control software for testing superconducting magnets. For about 2 years he was in Raja Ramanna Centre for Advanced Technology, Indore and led the team in improvement of various subsystems to attain uninterrupted 24x7 operation of Indus-2 electron accelerator at design energy level. Shri Pithawa played key role in Pokhran tests and nuclear propulsion.

4. Shri Pithawa has been conferred several awards which include six DAE awards for Excellence in Science, Engineering and Technology and Outstanding Service Award by Indian Nuclear Society. He is a Fellow of Indian National Academy of Engineering.



श्री चन्द्रकान्त पीठवा

श्री चंद्रकांत पिठवा एक लब्धप्रतिष्ठ वैज्ञानिक तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, ट्राम्बे, मुंबई में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इंस्ट्रूमेंटेशन ग्रुप और मैन्यूफैक्चरिंग एवं आटोमेशन ग्रुप के पूर्व-निदेशक हैं। एक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर के रूप में विलक्षण प्रतिभा के धनी, आप भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में 41 वर्ष की सेवा के बाद अगस्त 2015 में सेवानिवृत्त हो गए। वर्तमान में आप, इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग के राजा रमन्ना फैलो के रूप में कार्य कर रहे हैं।

2. आपका जन्म 17 अगस्त 1951 को हुआ। आपने अपनी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की स्नातक की उपाधि वर्ष 1973 में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्यप्रदेश से प्रथम श्रेणी के साथ प्राप्त की और वर्ष 1981 में भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलोर से आटोमेशन में एम.ई. की उपाधि प्राप्त की। आपने इलेक्ट्रॉनिक्स में एम.एस. की उपाधि वर्ष 1986 में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथम्पटन से प्रथम रैंक के साथ प्राप्त की।

3. आपने न्यूक्लियर साइंस तथा इंजीनियरिंग में एक वर्ष का बी ए आर सी ट्रेनिंग स्कूल कार्यक्रम पूरा करने के बाद वर्ष 1974 में बी ए आर सी के रिएक्टर कंट्रोल डिवीजन में कार्य ग्रहण किया।

4. आपने प्रेसराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर्स, कॉम्पैक्ट लाइट वाटर रिएक्टर, प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तथा पार्टिकल एक्सीलेरेटर्स की कंप्यूटर आधारित नियंत्रण प्रणालियों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। आपने 220 मेगावाट तथा 540 मेगावाट न्यूक्लियर ऊर्जा संयंत्रों के लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक प्रक्रियाओं को विनियमित करने हेतु कई एक महत्वपूर्ण सुरक्षा से जुड़ी कंप्यूटर आधारित प्रणालियां विकसित की हैं। आपने 500 मेगावाट प्रोटो टाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के लिए देशी हाई टेम्परेचर न्यूट्रॉन डिटेक्टर्स के विकास में टीम की अगुआई की जो कि एक चुनौती पूर्ण कार्य था। आपने मेजर एटमॉसफेरिक सेरेनकोव एक्सपेरिमेंट टेलीस्कोप के लिए कैमरा इलेक्ट्रॉनिक्स के विकास तथा लो इनर्जी हाई इंटेंसिटी प्रोटॉन एक्सीलेरेटर के लिए नियंत्रण प्रणाली के विकास में भी टीम का नेतृत्व किया। आपने सुपरस्कॉन्डक्टिंग मैग्नेट्स के परीक्षण के लिए नियंत्रण साफ्टवेयर के विकास द्वारा लार्ज हैड्रन कोलाइडर, सी ई आर एन, जेनेवा सहित अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं में अपना योगदान किया है। लगभग दो वर्षों के लिए आप राजा रमन्ना उन्नत प्रौद्योगिकी केन्द्र, इंदौर में रहे और वहां डिजाइन एनर्जी लेवल पर इंडस-2 इलेक्ट्रॉन एक्सीलरेटर का 24 X 7 निर्बाध ऑपरेशन प्राप्त करने हेतु आपने विभिन्न उप-प्रणालियों को उन्नत बनाने में टीम का नेतृत्व किया। आपने पोखरण परीक्षणों और न्यूक्लियर प्रोपल्सन में मुख्य भूमिका निभायी है।

5. आपको कई एक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिनमें छह डी ए ई अवार्डस फॉर एक्सीलेंस इन साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी तथा भारतीय न्यूक्लियर सोसायटी द्वारा आउट स्टैडिंग सर्विस अवार्ड शामिल हैं। आप इंडियन नेशनल एकेडेमी ऑफ इंजीनियरिंग के फेलो हैं।